एम.ए. (हिंदी) भाग - 2

चतुर्थ सत्र

अनिवार्य पेपर

पेपर नं.	कोड नं.	शीर्षक	L	CR	P/T	D	TP(E)	Int.	P/V	T
1	403501	आधुनिक हिंदी कविता	4	4	-	2.5	75	25	-	100

उद्देश्य :

1. मुक्तिबोध के काव्य-संसार के माध्यम से कविता के मानदण्डों से परिचित कराना।
2. धूमिल के काव्य-संसार के माध्यम से व्यवस्था विद्रोह के आयामों से अवगत कराना।
3. कुँवर नारायण के काव्य-संसार के माध्यम से ऐतिहासिक और दार्शनिक दृष्टिकोण से परिचित कराना।
4. केदारनाथ सिंह के काव्य -संसार के माध्यम से मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक सरोकारों से अवगत कराना।

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. चाँद का मुँह टेढ़ा है - गजानन माधव मुक्तिबोध , भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन , 18, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली -110002
2. संसद से सड़क तक -धूमिल, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
3. प्रतिनिधि कविताएँ - कुँवर नारायण,सम्पादक - पुरुषोत्तम अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, नयी दिल्ली 110002
4. जमीन पक रही है - केदारनाथ सिंह , राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. 1-बी , नेताजी सुभाष मार्ग , दरियागंज, नयी दिल्ली 110002

	Topics and details	No. of Lectures Assigned	Marks Assigned	Credit
ईकाई 1	'चाँद का मुँह टेढ़ा है'- मुक्तिबोध • 'चाँद का मुँह टेढ़ा है': मध्यम वर्ग का अंतर्द्वंद्व • 'चाँद का मुँह टेढ़ा है': पूँजीवादी समाज का यथार्थ • 'चाँद का मुँह टेढ़ा है': कवि की विचारधारा • 'चाँद का मुँह टेढ़ा है': भाषा एवं शिल्प विधान • 'चाँद का मुँह टेढ़ा है' - चयनित कविताएँ 1.भूल गलती, 2.ब्रह्म राक्षस,3.मुझे कदम-कदम पर , 4.मैं तुम लोगों से दूर हूँ, 5.अंधेरे में	15	25	1
ईकाई 2	'संसद से सड़क तक'- धूमिल • धूमिल की कविताओं में राजनीतिक चेतना • धूमिल की कविताओं में व्यवस्था विरोध • धूमिल की कविताओं में आम आदमी • धूमिल की कविताओं की भाषा और शिल्प	15	25	1

	• संसद से सड़क तक - चयनित कविताएँ 1.बीस साल बाद, 2.बसंत, 3.मोचीराम, 4.शहर का व्याकरण, 5.कवि १९७०, 6.नक्सलबाड़ी, 7.मुनासिब कार्यवाही, 8.भाषा की रात, 9.पटकथा			
ईकाई 3	प्रतिनिधि कविताएँ - कुँवर नारायण • कुँवर नारायण की कविताओं में मिथक और इतिहास • कुँवर नारायण की कविताओं का दार्शनिक चिंतन • कुँवर नारायण की कविताओं में प्रकृति चित्रण • कुँवर नारायण की कविताओं की भाषा एवं शिल्पविधान • प्रतिनिधि कविताएँ- चयनित कविताएँ 1.ओस नहाई रात, 2.हम, 3.जो सोता है, 4.बसंत आ, 5.वाजश्रवा, 6.नचिकेता, 7.भाषा की ध्वस्त, 8.गोलकुंडा की एक शाम, 9.अलग-अलग खातों में, 10.एक अजीब-सी मुश्किल	15	25	1
ईकाई 4	जमीन पक रही है- केदारनाथ सिंह • केदारनाथ सिंह की कविताओं में मानव संवेदना • केदारनाथ सिंह की कविताओं में प्रकृति और परिवेश • केदारनाथ सिंह की कविताओं की भाषा और शिल्पविधान • केदारनाथ सिंह की कविताओं में सामाजिक सरोकार • चयनित कविताएँ1.सूर्य , 2.जमीन, 3.बिना नाम की नदी, 4.प्रतीक्षा के विरुद्ध कुछ पंक्तियाँ , 5.रोटी, 6.जब वर्षा शुरु होती है , 7.दो लोग, 8.दिशा, 9.पेड़, 10.फ़र्क नहीं पड़ता, 11.सम्पर्क भाषा	15	25	1

संदर्भ ग्रंथ :

1. मुक्तिबोध एक मूल्यांकन - सम्पादक दिनेश कुमार, सामयिक बुक्स 3320-21, जटवाड़ा, दरियागंज, नई दिल्ली 110002
2. समकालीन कविता - सम्पादक परमानंद श्रीवास्तव , साहित्य अकादमी, रवींद्र भवन, 35 फिरोजशाह मार्ग, नयी दिल्ली -110001
3. शब्द और देशकाल - कुँवर नारायण, राजकमल प्रकाशन, प्रा.लि., नई दिल्ली 110002
4. आज और आज से पहले - कुँवर नारायण, राजकमल प्रकाशन, प्रा.लि., नई दिल्ली 110002
5. सृजन और शिल्प - गजानन माधव मुक्तिबोध, जय भारती प्रकाशन, 258/365, मुट्ठीगंज, माया प्रेस रोड, इलाहाबाद -605609
6. मुक्तिबोध और धूमिल का काव्य - डॉ. शिवप्रसाद स्वानंद दीक्षित, चिंतन प्रकाशन
7. गजानन माधव मुक्तिबोध : सृजन और शिल्प - रणजीत सिंह
8. धूमिल का काव्य संघर्ष - डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र, लोकभारती, इलाहाबाद

9. कटघरे का कवि धूमिल - अष्टेकर मधुकर
10.आलोचना -33 (धूमिल विशेषांक) - मंजुल उपाध्याय
11.धूमिल और उनका काव्य - डॉ. नाजिम शेख, विनय प्रकाशन
12.नई कविता और मुक्तिबोध - डॉ. वर्षारानी, विनय प्रकाशन
13.मुक्तिबोध का साहित्य चिंतन - डॉ. रमेशचंद्र शुक्ल, विनय प्रकाशन
14.जनवादी कविता और धूमिल - डॉ. मुकुंद माधवराव कवडे, चिंतन प्रकाशन